नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति: एक नजर में

केंद्रीय सरकार के कार्यालयों/उपक्रमों/बैंकों आदि में राजभाषा के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने और राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के मार्ग में आ रही कठिनाइयों को दूर करने के लिए एक संयुक्त मंच की आवश्यकता महसूस की गई ताकि वे मिल बैठकर चर्चा कर सकें और राजभाषा कार्यान्वयन समुचित रूप में हो सके। फलत: राजभाषा विभाग के दिनांक 22.11.1976 के का.ज्ञा.सं. 1/14011/12/76-रा.भा. (का-1) के अनुसार देश भर में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन किया जाना प्रारम्भ हुआ।

इन समितियों की अध्यक्षता नगर विशेष में स्थित केंद्रीय सरकार के कार्यालयों/उपक्रमों/बैंकों आदि के वरिष्ठतम अधिकारियों में से किसी एक के द्वारा की जाती है । नगर में स्थित केंद्रीय सरकार के कार्यालय/उपक्रम/बैंक आदि अनिवार्य रूप से इस समिति के सदस्य होते हैं। इन समितियों की बैठकों में नगर विशेष में स्थित केंद्रीय सरकार के कार्यालयों/उपक्रमों/बैंकों आदि के प्रशासनिक प्रधान भाग लेते हैं। राजभाषा विभाग, भारत सरकार एवं इसके क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय तथा हिंदी शिक्षण योजना के अधिकारी, भी इन बैठकों में राजभाषा विभाग का प्रतिनिधित्व करते हैं। इन समितियों की वर्ष में दो बैठकें राजभाषा विभाग, भारत सरकार द्वारा निर्धारित कैलेंडर माह के अनुसार आयोजित की जाती हैं।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (बैंक), कोलकाता

वर्ष 1985 में राजभाषा विभाग, भारत सरकार द्वारा देश के 10 बड़े नगरों में बैंकों के लिए अलग से समिति गठन करने का निर्णय लिया गया। नराकास (बैंक), कोलकाता का गठन इसी वर्ष हुआ और इसकी पहली बैठक 18 अक्तूबर, 1985 को युनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया, प्रधान कार्यालय के परिसर में संपन्न हुई थी। श्री डी सी मिश्रा, संयुक्त सचिव, राजभाषा विभाग, भारत सरकार इस बैठक के लिए विशेष रूप से दिल्ली से कलकत्ता आए थे। नराकास (बैंक), कोलकाता की छमाही समीक्षा बैठक के लिए मई एवं अक्तूबर माह निर्धारित है। अब तक नराकास (बैंक), कोलकाता की कुल 70 बैठकों का आयोजन किया जा चुका है।

वर्ष 2014 से नराकास (बैंक), कोलकाता के संयोजन की ज़िम्मेदारी यूको बैंक, प्रधान कार्यालय के पास है। सदस्य कार्यालयों में राजभाषा के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए समिति हिंदी में विभिन्न कार्यक्रमों/प्रतियोगिताओं का आयोजन कर रही है। इसके परिणामस्वरूप समिति को वर्ष 2016-17 से वर्ष 2018-19 तक लगातार तीन बार नराकास (बैंक), कोलकाता को पूर्व क्षेत्र का क्षेत्रीय राजभाषा का प्रथम पुरस्कार तथा वर्ष 2019-20 में क्षेत्रीय राजभाषा का द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ है। राजभाषा कार्यान्वयन में श्रेष्ठ कार्यनिष्पादन के लिए संकल्पित है और समिति का निष्ठावान प्रयास है कि नराकास (बैंक), कोलकाता देश का सर्वश्रेष्ठ नराकास बने।